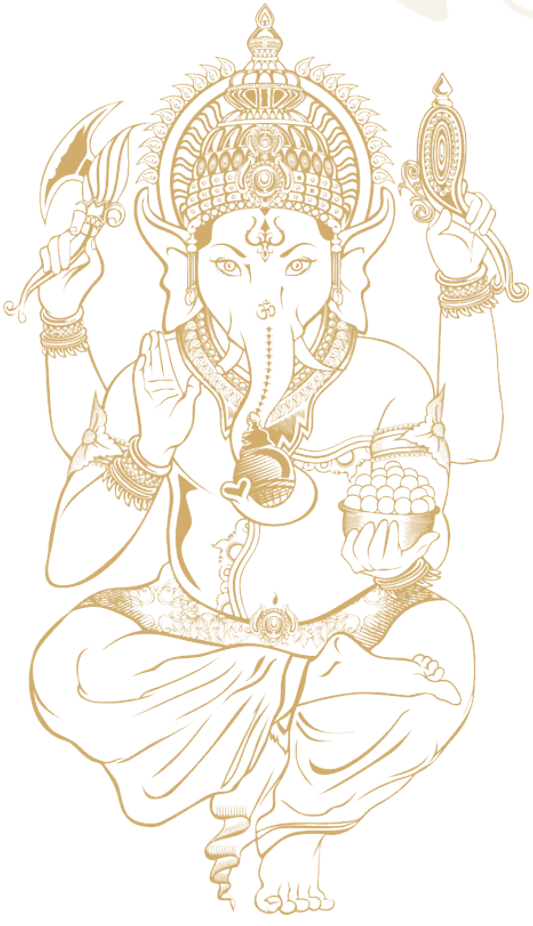

# ??? ???? ??? ??? Daksh Jain

02 Oct 2020

01:28 PM

Shivpuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121831804

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **02/10/2020** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **13:28:00 घंटे** |
| इष्ट | 18:09:26 घटी |
| **स्थान** | **Shivpuri** |
| राज्य | Madhya Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 25:26:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:39:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:19:24 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 13:08:36 घंटे |
| वेलान्तर | 00:10:44 घंटे |
| साम्पातिक काल | 13:54:36 घंटे |
| सूर्योदय | 06:12:13 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:04:43 घंटे |
| दिनमान | 11:52:30 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शरद |
| सूर्य के अंश | 15:26:29 कन्या |
| लग्न के अंश | 21:48:08 धनु |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | धनु - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **रेवती - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | बुध |
| योग | ध्रुव |
| करण | बालव |
| गण | देव |
| योनि | गज |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | दो-दौलत |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | तुला |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | धनु | 21:48:08 | 358:39:59 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | --- |
| सूर्य | | | कन्या | 15:26:29 | 00:59:01 | हस्त | 2 | 13 | बुध | चंद्र | गुरु | सम राशि |
| चंद्र | | | मीन | 20:24:17 | 11:54:48 | रेवती | 2 | 27 | गुरु | बुध | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | व | | मेष | 00:32:12 | 00:16:54 | अश्विनी | 1 | 1 | मंगल | केतु | केतु | मूलत्रिकोण |
| बुध | | | तुला | 11:06:10 | 00:56:35 | स्वाति | 2 | 15 | शुक्र | राहु | शनि | मित्र राशि |
| गुरु | | | धनु | 23:51:37 | 00:03:40 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | स्वराशि |
| शुक्र | | | सिंह | 05:14:07 | 01:09:51 | मघा | 2 | 10 | सूर्य | केतु | मंगल | शत्रु राशि |
| शनि | | | मक | 01:12:11 | 00:00:19 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | स्वराशि |
| राहु | व | | वृष | 28:41:03 | 00:12:58 | मृगशिरा | 2 | 5 | शुक्र | मंगल | शनि | मित्र राशि |
| केतु | व | | वृश्चि | 28:41:03 | 00:12:58 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | मित्र राशि |
| हर्ष | व | | मेष | 15:40:35 | 00:02:02 | भरणी | 1 | 2 | मंगल | शुक्र | सूर्य | --- |
| नेप | व | | कुंभ | 24:51:16 | 00:01:31 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | बुध | --- |
| प्लूटो | व | | धनु | 28:20:45 | 00:00:04 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | तुला | 06:37:49 | -- | चित्रा | -- | 14 | शुक्र | मंगल | चंद्र | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:31

## लग्न-चलित

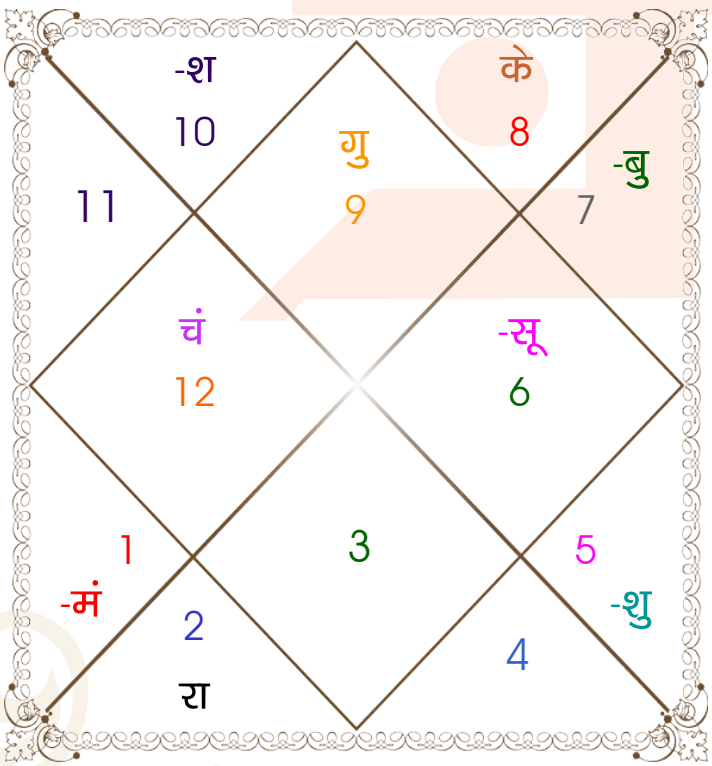


## चन्द्र कुंडली

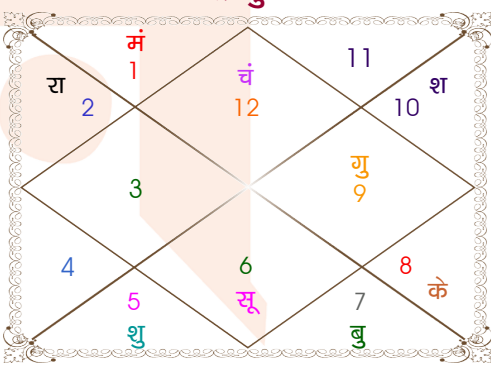


## नवमांश कुंडली

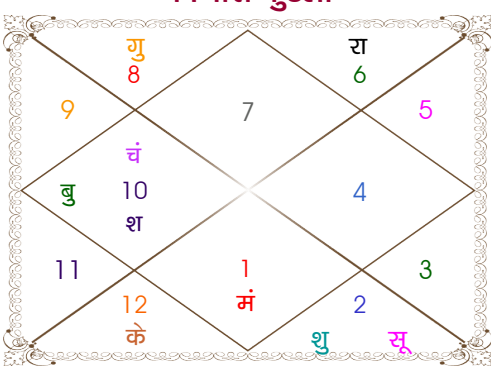

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 2 मास 24 दिन

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 02/10/2020 | | 27/12/2032 | | 27/12/2039 | | 27/12/2059 | | 27/12/2065 | |
| 27/12/2032 | | 27/12/2039 | | 27/12/2059 | | 27/12/2065 | | 27/12/2075 | |
| | 00/00/0000 | केतु | 25/05/2033 | शुक्र | 28/04/2043 | सूर्य | 15/04/2060 | चंद्र | 27/10/2066 |
| | 02/10/2020 | शुक्र | 25/07/2034 | सूर्य | 27/04/2044 | चंद्र | 14/10/2060 | मंगल | 28/05/2067 |
| शुक्र | 22/03/2022 | सूर्य | 30/11/2034 | चंद्र | 27/12/2045 | मंगल | 19/02/2061 | राहु | 26/11/2068 |
| सूर्य | 26/01/2023 | चंद्र | 01/07/2035 | मंगल | 26/02/2047 | राहु | 14/01/2062 | गुरु | 28/03/2070 |
| चंद्र | 27/06/2024 | मंगल | 27/11/2035 | राहु | 26/02/2050 | गुरु | 02/11/2062 | शनि | 27/10/2071 |
| मंगल | 24/06/2025 | राहु | 14/12/2036 | गुरु | 27/10/2052 | शनि | 15/10/2063 | बुध | 28/03/2073 |
| राहु | 11/01/2028 | गुरु | 20/11/2037 | शनि | 27/12/2055 | बुध | 21/08/2064 | केतु | 27/10/2073 |
| गुरु | 18/04/2030 | शनि | 30/12/2038 | बुध | 27/10/2058 | केतु | 27/12/2064 | शुक्र | 28/06/2075 |
| शनि | 27/12/2032 | बुध | 27/12/2039 | केतु | 27/12/2059 | शुक्र | 27/12/2065 | सूर्य | 27/12/2075 |

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 27/12/2075 | | 27/12/2082 | | 28/12/2100 | | 28/12/2116 | | 28/12/2135 | |
| 27/12/2082 | | 28/12/2100 | | 28/12/2116 | | 28/12/2135 | | 00/00/0000 | |
| मंगल | 24/05/2076 | राहु | 08/09/2085 | गुरु | 15/02/2103 | शनि | 31/12/2119 | बुध | 26/05/2138 |
| राहु | 12/06/2077 | गुरु | 02/02/2088 | शनि | 28/08/2105 | बुध | 09/09/2122 | केतु | 23/05/2139 |
| गुरु | 19/05/2078 | शनि | 09/12/2090 | बुध | 04/12/2107 | केतु | 19/10/2123 | शुक्र | 03/10/2140 |
| शनि | 28/06/2079 | बुध | 27/06/2093 | केतु | 09/11/2108 | शुक्र | 19/12/2126 | | 00/00/0000 |
| बुध | 24/06/2080 | केतु | 16/07/2094 | शुक्र | 11/07/2111 | सूर्य | 01/12/2127 | | 00/00/0000 |
| केतु | 20/11/2080 | शुक्र | 15/07/2097 | सूर्य | 28/04/2112 | चंद्र | 01/07/2129 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 20/01/2082 | सूर्य | 09/06/2098 | चंद्र | 28/08/2113 | मंगल | 10/08/2130 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 28/05/2082 | चंद्र | 09/12/2099 | मंगल | 04/08/2114 | राहु | 16/06/2133 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 27/12/2082 | मंगल | 28/12/2100 | राहु | 28/12/2116 | गुरु | 28/12/2135 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 2 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।